ओ पापी मन करले भजन

ओ पापी मन करले भजन
ओ पापी मन करले भजन
बाद में प्यारे पछतायेगा
जब पिंजरे से पंछी निकल जाएगा

क्यों करता तू मेरा मेरा
ना कुछ तेरा ना कुछ मेरा
खाली हाथ आया है
खाली हाथ जाएगा
जैसा किया करम तूने
वैसा ही फल पाएगा
बाद में प्यारे पछतायेगा
जब पिंजरे से पंछी निकल जाएगा

भरी जवानी जी भर के सोया
आया बुढ़ापा तो देख के रोया
प्रभु की नजर से तू बच नहीं पाएगा
आएगा बुढ़ापा तो थर-थर कपेगा
बाद में प्यारे पछतायेगा
जब पिंजरे से पंछी निकल जाएगा

पाया मनुष्य तन फिर क्यों रोया
मोह माया के मन में तू क्यों सोया
पाया है मनुष्य तन तो प्रभु के गुण गायेजा
अपने हृदय को प्रभु भक्ति में लगाए जा
बाद में प्यारे पछतायेगा
जब पिंजरे से पंछी निकल जाएगा

ओ पापी मन करले भजन
ओ पापी मन करले भजन
बाद में प्यारे पछतायेगा
जब पिंजरे से पंछी निकल जाएगा

eAstroHelp